IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 5, Issue 3, December 2025
Impact Factor: 7.67

"भारत एवं मध्य प्रदेश के पर्यटन विकास, विरासत और सांस्कृतिक संरचनाए"

नरेन्द्र चौधरी
पीएचडी शोध अध्येता,
संजय गांधी स्मृति स्नातकोत्तर महाविद्यालय सीधी (म.प्र.)

डॉ.के.एस नेताम
प्राध्यापक –विभागाध्यक्ष, भूगोल विभाग,
संजय गांधी स्मृति स्नातकोत्तर महाविद्यालय सीधी (म.प्र.)

सारांश :–

पर्यटन विकास, विरासत और सांस्कृतिक संरचनाएं एक दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं। विरासत पर्यटन, पर्यटन की एक शाखा है जो किसी क्षेत्र की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और पर्यावरणीय विरासत की खोज और प्रशंसा पर केंद्रित है। पर्यटन विकास का महत्व आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में अत्यधिक है। यह रोजगार सृजन करता है, स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करता है, और बुनियादी ढांचे के विकास में सहायता करता है। इसके अलावा, पर्यटन विभिन्न संस्कृतियों और जीवनशैलियों के बीच समझ और सम्मान को बढ़ावा देता है, जिससे सामाजिक सामंजस्य और सांस्कृतिक संरक्षण संभव होता है। पर्यावरण संरक्षण और स्थायी विकास में भी पर्यटन की महत्वपूर्ण भूमिका होती है, यदि इसे जिम्मेदारी से नियोजित और प्रबंधित किया जाए।

सांस्कृतिक विरासत और पर्यटन

सांस्कृतिक विरासत किसी समूह या समाज की पिछली पीढ़ियों से विरासत में मिली मूर्त और अमूर्त संपत्ति है। जब पर्यटक किसी स्थान की सांस्कृतिक धरोहर, परंपराओं, रीति–रिवाजों, कला, वास्तुकला और जीवनशैली को जानने के उद्देश्य से यात्रा करते हैं, तो इसे सांस्कृतिक पर्यटन कहा जाता है। यह न केवल ऐतिहासिक स्थलों की यात्रा तक सीमित है, बल्कि इसमें लोक संगीत, हस्तशिल्प, खान–पान और धार्मिक आयोजन भी शामिल हैं। पर्यटन और विरासत के बीच संतुलन बनाए रखने से पारस्परिक रूप से लाभकारी संबंध बनते हैं जो समुदायों का समर्थन करते हैं, सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित करते हैं और वैश्विक सद्भाव को बढ़ावा देते हैं।

पर्यटन विकास में विरासत की भूमिका

विरासत पर्यटन एक शक्तिशाली आर्थिक विकास उपकरण है, जो रोजगार पैदा करता है, व्यापार के नए अवसर प्रदान करता है और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करता है। भारत सरकार ने विरासत पर्यटन को आर्थिक विकास के एक प्रमुख इंजन के रूप में मान्यता दी है। ष्प्रसादष और ष्स्वदेश दर्शनष जैसी पहलों के माध्यम से, सरकार देश में पर्यटन के विकास के लिए एक बड़ा ढांचा तैयार कर रही है। इन योजनाओं का उद्देश्य आगंतुकों को अद्वितीय अनुभव प्रदान करके भारत के पर्यटन क्षेत्र को वैश्विक स्तर पर अधिक प्रतिस्पर्धी बनाना है।

भारत के पर्यटन क्षेत्रः सतत् विकास और संभावनाएँ

यह एडिटोरियल 26/08/2025 को इंडियन एक्सप्रेस में प्रकाशित Tourism, the tariff-proof sector पर आधारित है। इस लेख में रोजगार, विदेशी मुद्रा विनिमय और राष्ट्रीय गौरव को बढ़ावा देने में पर्यटन की क्षमता को रेखांकित किया गया है। साथ ही इस बात पर बल दिया गया है कि इस क्षेत्र की पूरी संभावनाओं को खोलने के लिये रणनीतिक योजना, आधारभूत संरचना में निवेश तथा वैश्विक स्तर पर दृश्यता बढ़ाने की अत्यंत आवश्यकता है। पर्यटन क्षेत्र आर्थिक वृद्धि के लिये सबसे समुत्थानशील

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 5, Issue 3, December 2025
Impact Factor: 7.67

और गतिशील क्षेत्रों में से एक है, जिसमें रोजगार सृजन, विदेशी मुद्रा अर्जन एवं राष्ट्रीय गौरव बढ़ाने की अपार संभावनाएँ हैं। टैरिफ और वैश्विक व्यापार में उतार–चढ़ाव जैसी चुनौतियों के बावजूद, भारत के पास अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, विविध परिदृश्यों एवं घरेलू तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पर्यटन की बढ़ती माँग का लाभ उठाने का एक अनूठा अवसर है। पर्यटन क्षेत्र में हालिया विकास भारत की वैश्विक पर्यटन क्षेत्र में अग्रणी बनने की क्षमता को रेखांकित करता है, जो वर्ष 2047 तक 3 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की पर्यटन अर्थव्यवस्था के उसके महत्त्वाकांक्षी लक्ष्य के अनुरूप है।

भारत की विकास संभावनाओं में पर्यटन की क्या भूमिका है?

आर्थिक विकास और रोजगार सृजनरू पर्यटन भारत के सेवा क्षेत्र का एक प्रमुख प्रेरक है, जो आय सृजन, रोजगार सृजन और विदेशी मुद्रा अर्जन में योगदान देता है। पर्यटन का आतिथ्य, परिवहन, हस्तशिल्प और कृषि जैसे क्षेत्रों से गहरा संबंध है। एक श्रम–प्रधान उद्योग के रूप में, यह विविध कौशलों में रोजगार प्रदान करता है और सकारात्मक प्रभाव उत्पन्न करता है, जिससे संबंधित उद्योगों एवं स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं को लाभ होता है। इसके अतिरिक्त, पर्यटन विशेष रूप से टियर–2 व टियर–3 शहरों में MSME और स्टार्टअप के विकास को बढ़ावा देता है। वर्ष 2024 में, भारत के सकल घरेलू उत्पाद में यात्रा और पर्यटन का कुल योगदान 249.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर था। वर्ष 2035 तक, इस क्षेत्र के राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में अनुमानित 10.9: योगदान करने की उम्मीद है। इसके अलावा, पर्यटन ने वर्ष 2024 में 46.5 मिलियन नौकरियों का सृजन किया।ॅज्ज्ब के अनुसार, वर्ष 2035 तक यह संख्या लगभग 64 मिलियन तक बढ़ने की उम्मीद है। इसके अलावा, वर्ष 2024 में, पर्यटन ने भारत के लिये 28 बिलियन अमेरिकी डॉलर की विदेशी मुद्रा आय अर्जित की।

क्षेत्रीय विकास और सामाजिक समावेशन पर प्रभाव पर्यटन दूरस्थ, ग्रामीण और जनजातीय क्षेत्रों में निवेश एवं बुनियादी अवसंरचना को प्रवाहित करके संतुलित क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा देता है, जिससे सामाजिक समावेशन बढ़ता है। यह होमस्टे, स्थानीय व्यंजनों और सांस्कृतिक शिल्प के माध्यम से सीमांत समुदायों के लिये आय के अवसर उत्पन्न करता है। **PRASHAD** और स्वदेश दर्शन जैसी पहल अविकसित क्षेत्रों को व्यापक राष्ट्रीय विकास कार्यढाँचे में एकीकृत करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। स्वदेश दर्शन 2.0 और **PRASHAD** योजनाओं के तहत, सरकार द्वारा देश में 52 परियोजनाओं एवं 54 धार्मिक स्थलों को स्वीकृति दी गई है।

उदाहरण के लिये, **PRASHAD** योजना के तहत असम के कामाख्या मंदिर में परियोजनाओं ने बुनियादी अवसंरचना में सुधार किया, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिला।

नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावाः–

पर्यटन ने तकनीक–संचालित स्टार्टअप्स में तेजी से वृद्धि की है जो क्यूरेटेड अनुभव,। आधारित यात्रा योजना और डिजिटल बुकिंग प्लेटफॉर्म प्रदान करते हैं। यह इको–टूरिज्म, ग्रामीण प्रवास और अनुभवात्मक यात्रा जैसे क्षेत्रों में जमीनी स्तर पर नवाचार को बढ़ावा देता है। युवा, विशेष रूप से टियर–2 व टियर–3 शहरों के, सरकार द्वारा समर्थित इनक्यूबेटर और एक्सेलरेटर के माध्यम से इस क्षेत्र में प्रवेश कर रहे हैं। पर्यटन मंत्रालय ने अपने "देखो अपना देश" वेबिनार के माध्यम से वर्चुअल टूरिज्म की पेशकश शुरू कर दी है। एरियल जैसे स्टार्टअप व्यक्तिगत यात्रा कार्यक्रम बनाने के लिये का लाभ उठाकर यात्रा उद्योग में क्रांति ला रहे हैं। इसके अलावा, महाराष्ट्र में ताडोबा अंधारी टाइगर रिजर्व (TATR) ने वन्यजीवन कौशल अकादमी शुरू की है, जो वन–सीमांत गाँवों के युवाओं को उद्यमिता एवं इको–टूरिज्म के अवसरों का लाभ उठाने के लिये सशक्त बना रही है।

IJARSCT

International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology

International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal

ISSN: 2581-9429 Volume 5, Issue 3, December 2025 Impact Factor: 7.67

सॉफ्ट पावर और सांस्कृतिक कूटनीतिः

पर्यटन सॉफ्ट पावर का एक महत्त्वपूर्ण साधन है, जो भारत की सांस्कृतिक गहनता, आध्यात्मिक विविधता और सभ्यतागत लोकाचार को प्रदर्शित करके वैश्विक स्तर पर भारत की छवि को निखारता है। यह लोगों के बीच संपर्क को बढ़ावा देता है तथा अन्य देशों के साथ सद्भावना का निर्माण करता है। कार्यक्रम, सांस्कृतिक उत्सव और फिल्म पर्यटन भारत के राजनयिक संबंधों को सुदृढ़ करते हैं। प्रवासी और धार्मिक सर्किट सांस्कृतिक सेतु का काम करते हैं।

महाकुंभ– 2025 में 60 करोड़ से अधिक तीर्थयात्री आए थे, जिनमें बड़ी संख्या में अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक भी शामिल थे। वर्ष 2020 और 2024 के दौरान, अमेरिका, बांग्लादेश, यूनाइटेड किंगडम, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, मलेशिया, श्रीलंका, जर्मनी एवं फ्राँस भारत में विदेशी पर्यटकों के आगमन के लिये शीर्ष स्रोत देश बनकर उभरे। इसके अलावा, वर्ष 2023 में विभिन्न भारतीय शहरों में आयोजित 2.0 पर्यटन कार्य समूह की बैठकों ने वैश्विक मंच पर भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता को प्रदर्शित करने के लिये एक मंच के रूप में काम किया है, जिससे इस भूमिका को बल मिला है। पारंपरिक कलाओं, शिल्पों और पाककला विरासत को बढ़ावा देनारू भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, जिसमें विविध कलाएँ, शिल्प और पाककला परंपराएँ शामिल हैं, पर्यटन संवर्द्धन का एक प्रमुख केंद्र बन गई है। उदाहरण के लिये, मुंबई की खाऊ गलियाँ पर्यटकों को स्थानीय स्ट्रीट फूड का प्रामाणिक स्वाद प्रदान करती हैं, जो शहर की जीवंत पाककला संस्कृति को प्रदर्शित करती हैं। इसी प्रकार, दक्षिण भारतीय 'फिल्टर कॉफी' ट्रेल क्षेत्र की प्रतिष्ठित कॉफी संस्कृति को बढ़ावा देता है। इस तरह की पहल न केवल भारत की सांस्कृतिक परंपराओं को संरक्षित करती हैं, बल्कि स्थानीय कारीगरों और पाक–कला विशेषज्ञों के लिये वैश्विक मंच पर पहचान बनाने के अवसर भी उत्पन्न करती हैं, जिससे पर्यटन का अनुभव बेहतर होता है।

चिकित्सा और स्वास्थ्य पर्यटन में वृद्धि

भारत की किफायती और उन्नत स्वास्थ्य सेवा प्रणाली ने इसे वैश्विक चिकित्सा पर्यटकों के लिये एक पसंदीदा गंतव्य बना दिया है, जिससे स्वास्थ्य पर्यटन क्षेत्र के विकास में महत्त्वपूर्ण योगदान मिला है। **हील इन इंडिया पहल,** जो आधुनिक चिकित्सा को आयुर्वेद, योग एवं स्वास्थ्य चिकित्सा जैसी पारंपरिक प्रथाओं के साथ एकीकृत करती है, एक वैश्विक स्वास्थ्य सेवा केंद्र के रूप में भारत की स्थिति को और मजबूत करती है। इसके अतिरिक्त, ई–वीजा और आयुष वीजा की शुरुआत सहित चिकित्सा वीजा प्रक्रियाओं के सरलीकरण ने अंतर्राष्ट्रीय रोगियों के लिये भारत में चिकित्सा उपचार और कल्याण सेवाओं तक अभिगम्यता को आसान बना दिया है, जिससे इस क्षेत्र के विकास को बढ़ावा मिला है। भारत का वेलनेस टूरिज्म उद्योग उल्लेखनीय वृद्धि के अदौर से गुजर रहा है, जिसका मूल्य 19.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर है और वर्ष 2031 तक 29.8 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुँचने का अनुमान है।

सतत् विकास लक्ष्यों का त्वरकः

पर्यटन कई सतत् विकास लक्ष्यों (SDG) कृगरीबी उन्मूलन, लैंगिक समानता, स्थायी समुदाय और पर्यावरण संरक्षण से जुड़ा है। यदि पर्यटन का नियोजन सतत् रूप से किया जाये तो यह कम पारिस्थितिकीय दबाव के साथ आर्थिक विकास को संभव बनाता है। आज सचेत विलासिता, ईको–रिजॉर्ट और समुदाय–आधारित पर्यटन जैसी प्रवृत्तियाँ तेजी से उभर रही हैं। राष्ट्रीय सतत पर्यटन रणनीति एवं जैसी योजनाएँ ईको–सर्टिफिकेशन और स्वच्छता अनुपालन को प्रोत्साहित कर रही हैं। उदाहरण के लिये, हिमाचल प्रदेश की जिभी घाटी में, समुदाय–आधारित पर्यटन ने स्थानीय लोगों को, जो कभी मुख्य रूप से किसान थे, होमस्टे,

IJARSCT

International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology

International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal

ISSN: 2581-9429 Volume 5, Issue 3, December 2025 Impact Factor: 7.67

निर्देशित पर्यटन, हस्तशिल्प और पारंपरिक व्यंजनों के माध्यम से जीविकोपार्जन करने में सक्षम बनाया है। यह मॉडल स्थानीय संस्कृति को संरक्षित करते हुए आय को बढ़ाता है।

भारत में यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों की सूची

भारत के सभी 44 विश्व धरोहर स्थल जुलाई 2025 की स्थिति में

क्रमांक	स्थल	विश्व विरासत स्थल	राज्य	शामिल एवं विस्तार वर्ष
1	सांस्कृतिक स्थल	आगरा किला	उत्तरप्रदेश	1983
2	सांस्कृतिक स्थल	ताजमहल, आगरा	उत्तरप्रदेश	1983
3	सांस्कृतिक स्थल	अजंता की गुफाएं, औरंगाबाद	महाराष्ट्र	1983
4	सांस्कृतिक स्थल	एलोरा की गुफाएं	महाराष्ट्र	1983
5	सांस्कृतिक स्थल	सूर्य मंदिर, कोणार्क	ओडिशा	1984
6	सांस्कृतिक स्थल	महाबलीपुरम स्थित स्मारक समूह	तमिलनाडु	1984
7	प्राकृतिक स्थल	काजीरंगा राष्ट्रीय पार्क	असम	1985
8	प्राकृतिक स्थल	मानस वन्यजीव अभ्यारण	असम	1985
9	प्राकृतिक स्थल	केवलादेव राष्ट्रीय पार्क	राजस्थान	1985
10	सांस्कृतिक स्थल	गोवा के चर्च एवं कॉन्वेंट	गोवा	1986
11	सांस्कृतिक स्थल	फतेहपुर सीकरी, आगरा	उत्तरप्रदेश	1986
12	सांस्कृतिक स्थल	खुजराहो स्थित स्मारक समूह	मध्यप्रदेश	1986
13	सांस्कृतिक स्थल	हम्पी स्थित स्मारक समूह, बेल्लारी	कर्नाटक	1986
14	प्राकृतिक स्थल	सुंदरबन राष्ट्रीय पार्क	पश्चिम बंगाल	1987
15	सांस्कृतिक स्थल	एलीफेंट की गुफाएं	महाराष्ट्र	1987

16	सांस्कृतिक स्थल	पट्टाडकल स्थित स्मारक समूह	कर्नाटक	1987
17	सांस्कृतिक स्थल	महान चोल मंदिर (बृहदेश्वर मंदिर)	तमिलनाडु	1987 विस्तार वर्ष 2004
18	प्राकृतिक स्थल	नंदा देवी राष्ट्रीय पार्क चमोली	उत्तराखण्ड	1988 विस्तार वर्ष 2005
19	सांस्कृतिक स्थल	सांची बौद्ध स्मारक	मध्यप्रदेश	1989
20	सांस्कृतिक स्थल	हुमायूँ का मकबरा	दिल्ली	1993
21	सांस्कृतिक स्थल	कुतुबमीनार व सम्बद्ध स्मारक	दिल्ली	1993
22	सांस्कृतिक स्थल	इंडियन माउंटेन रेलवे (1 दार्जिलिंग पर्वतीय रेलवे 2 नीलगिरी पर्वतीय रेलवे 3 कालका शिमला रेलवे)	पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, हिमाचल प्रदेश	1999, 2005, 2008
23	सांस्कृतिक स्थल	महाबोधि मंदिर बोधगया	बिहार	2002
24	सांस्कृतिक स्थल	भीम बेटका की गुफाएं	मध्यप्रदेश	2003
25	सांस्कृतिक स्थल	चाम्पानेर पावागढ़ आर्किलॉजिकल पार्क	गुजरात	2004
26	सांस्कृतिक स्थल	छत्रपति शिवाजी टर्मिनल, मुंबई	महाराष्ट्र	2004
27	सांस्कृतिक स्थल	लाल किला	दिल्ली	2007
28	सांस्कृतिक स्थल	रानी का वाव, पाटण	गुजरात	2008
29	सांस्कृतिक स्थल	जंतर मंतर, जयपुर	राजस्थान	2010

IJARSCT

International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology

International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal

ISSN: 2581-9429

Volume 5, Issue 3, December 2025

Impact Factor: 7.67

30	प्राकृतिक स्थल	पश्चिम घाट सह्याद्रि पर्वत	केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, गोवा, महाराष्ट्र	2012
31	सांस्कृतिक स्थल	राजस्थान के राजपूताना शैली के 06 किले (चित्तौड़गढ़, कुंभलगढ़, सवाई माधोपुर, जैसलमेर, जयपुर, झालावार)	राजस्थान	2013
32	प्राकृतिक स्थल	ग्रेट हिमालयन नेशनल पार्क	हिमाचल प्रदेश	2014
33	सांस्कृतिक स्थल	चंडीगढ़ का कैपिटल कॉम्पलैक्स	हरियाणा	2016
34	मिश्रित स्थल	कंजनजंगा राष्ट्रीय उद्यान	सिक्किम	2016
35	सांस्कृतिक स्थल	नालंदा महाविहार	बिहार	2016
36	सांस्कृतिक स्थल	ऐतिहासिक शहर अहमदाबाद	गुजरात	2017
37	सांस्कृतिक स्थल	मुम्बई की विक्टोरियन गोथिक एवं आर्ट डेको संरचनाएं	महाराष्ट्र	2018
38	सांस्कृतिक स्थल	जयपुर शहर	राजस्थान	2019
39	सांस्कृतिक स्थल	हड़प्पाकालीन धौलावीरा	गुजरात	2021
40	सांस्कृतिक स्थल	काकतीय रूद्रेश्वर मंदिर, वारंगल	तेलंगाना	2021
41	सांस्कृतिक स्थल	शांति निकेतन	पश्चिम बंगाल	2023
42	सांस्कृतिक स्थल	होयसल के पवित्र मंदिर समूह	कर्नाटक	2023
43	सांस्कृतिक स्थल	मोइदम अहोम राजवंश की टीलेनुमा दफन प्रणाली	असम	2024
44	सांस्कृतिक स्थल	भारत के मराठा सैन्य परिदृश्य	महाराष्ट्र, तमिलनाडु	2025

मध्य प्रदेश में पर्यटन विकास, विरासत और सांस्कृतिक संरचनाएं: -

मध्य प्रदेश, जिसे "भारत का हृदय" भी कहा जाता है, अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, ऐतिहासिक धरोहरों और प्राकृतिक सुंदरता के लिए प्रसिद्ध है, जो इसे पर्यटन विकास का एक प्रमुख केंद्र बनाते हैं । राज्य सरकार पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए लगातार नई योजनाएं बना रही है, जिससे यहाँ आने वाले पर्यटकों की संख्या में भारी वृद्धि हुई है ।

डिजिटल टीम, भोपाल

पर्यटन की दृष्टि से मध्यप्रदेश एक समृद्ध और विविधतापूर्ण राज्य है। इसकी सांस्कृतिक विरासत, ऐतिहासिक धरोहरें, प्राकृतिक सौंदर्य और वन्यजीव संपदा का आकर्षण "अतुलनीय मध्यप्रदेश" के रूप में पर्यटकों की पहली पसंद बन रहा है। प्रदेश ने वर्ष 2024 में पर्यटन के क्षेत्र में कीर्तिमान रचा है। मध्यप्रदेश में रिकॉर्ड 13 करोड़ 41 लाख पर्यटकों का आगमन हुआ। यह उपलब्धि वर्ष 2023 की तुलना में 19.6 प्रतिशत, 2019 से लगभग 50.6 प्रतिशत और 2020 की तुलना में 526 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाती है।

प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति तथा प्रबंध संचालक,

मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड शिव शेखर शुक्ला ने कहा कि पर्यटन की दृष्टि से मध्यप्रदेश भारत का एक समृद्ध और विविधतापूर्ण राज्य है। प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत, प्राकृतिक संपदा, ऐतिहासिक धरोहरें और वन्यजीव विविधता, पर्यटकों को एक सम्पूर्ण अनुभव प्रदान करती हैं। वर्ष 2024 में 13 करोड़ 41 लाख पर्यटकों का आगमन इस बात का प्रमाण है कि मध्यप्रदेश देश ही नहीं, वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर भी मजबूती से उभर रहा है। यह उपलब्धि शासन की दूरदर्शी नीतियों, आधारभूत ढांचे के विकास और स्थानीय समुदायों की सक्रिय भागीदारी का प्रतिफल है। विदेशी पर्यटकों का आगमन वर्ष 2024 में 1.67 लाख विदेशी पर्यटकों ने भी मध्यप्रदेश की सैर की। खजुराहो में 33 हजार 131, ग्वालियर में 10 हजार 823 और ओरछा में 13 हजार 960 विदेशी पर्यटक पहुंचे। शहरी पर्यटन में भी विदेशी पर्यटकों की संख्या में वृद्धि हुई, जिसमें इंदौर में 9,964 और भोपाल में 1,522 विदेशी पर्यटक शामिल हैं। बांधवगढ़ में 29 हजार 192, कान्हा में 19 हजार 148, पन्ना में 12 हजार 762 और पेंच में 11 हजार 272 विदेशी पर्यटक आए, जो मध्यप्रदेश की वैश्विक अपील को दर्शाता है।

धार्मिक पर्यटन देश की आस्था का नया केंद्र

प्रदेश के धार्मिक स्थलों ने वर्ष 2024 में 10.7 करोड़ पर्यटकों को आकर्षित किया, जो वर्ष 2023 की तुलना में 21.9: अधिक है। प्रदेश के शीर्ष 10 पर्यटन स्थलों में से 6 धार्मिक स्थल शामिल हैं। उज्जैन 7.32 करोड़ पर्यटकों के साथ इस सूची में सबसे आगे रहा, जो वर्ष 2023 के 5.28 करोड़ की तुलना में 39: अधिक है। चित्रकूट में भी 1 करोड़ से अधिक पर्यटक आए, जो वर्ष 2023 के 90 लाख की तुलना में 33: अधिक है। मैहर में 1.33 करोड़, अमरकंटक में 40 लाख, सलकनपुर में 26 लाख और ओंकारेश्वर में 24 लाख पर्यटक पहुंचे। महाकाल लोक, ओंकारेश्वर महालोक, श्रीराम वनगमन पथ, देवी लोक, राजा राम लोक, हनुमान जैसी परियोजनाओं ने धार्मिक पर्यटन को आध्यात्मिक और आर्थिक रूप से सशक्त बनाया है।

विरासत पर्यटन इतिहास की जीवंत गाथा

मध्यप्रदेश की समृद्ध विरासत ने 2024 में 80 लाख से अधिक पर्यटकों को आकर्षित किया, जो 2023 के 64 लाख की तुलना में 25: की वृद्धि दर्शाता है। ग्वालियर में पर्यटकों की संख्या में 3 गुना वृद्धि देखी गई, जहां 9 लाख से अधिक पर्यटक पहुंचे, जो 2023 की तुलना में 3.69 लाख की उल्लेखनीय वृद्धि है। खजुराहो (4.89 लाख), भोजपुर (35.91 लाख) और महेश्वर (13.53 लाख) में भी पर्यटकों ने इन समृद्ध विरासतों का आनंद लिया। यूनेस्को ने हाल ही में भोजपुर को अपनी टेंटेटिव सूची में शामिल किया

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429 Volume 5, Issue 3, December 2025 Impact Factor: 7.67

है और ग्वालियर को षक्रिएटिव सिटी ऑफ म्यूजिकष के रूप में मान्यता दी है। मध्यप्रदेश में अब 3 स्थायी और 15 टेंटेटिव सूची में कुल 18 यूनेस्को धरोहरें हैं। स्थायी सूची में खजुराहो के मंदिर समूह, भीमबेटका की गुफाएं और सांची स्तूप शामिल हैं। सम्राट अशोक के शिलालेख, चौसठ योगिनी मंदिर, गुप्तकालीन मंदिर, बुंदेला शासकों के महल और किले, ग्वालियर किला, बुराहनपुर का खूनी भंडारा, चंबल घाटी के शैल कला स्थल, भोजपुर का भोजेश्वर महादेव मंदिर, मंडला स्थित राम नगर के गोंड स्मारक, धमनार का ऐतिहासिक समूह, मांडू के स्मारकों का समूह, ओरछा का ऐतिहासिक समूह, नर्मदा घाटी में भेड़ा घाट लमेटाघाट, सतपुड़ा टाइगर रिजर्व और चंदेरी टेंटेटिव लिस्ट में हैं।

वन्यजीव पर्यटन प्रकृति और रोमांच का संगम

ग्रीन, क्लीन और सेफ मध्यप्रदेश "टाइगर स्टेट" "लेपर्ड स्टेट", "घड़ियाल स्टेट", "चीता स्टेट" और "वल्चर स्टेट" के रूप में जाना जाता है, जिसमें देश का सबसे अधिक वन क्षेत्र है। राज्य में 12 राष्ट्रीय उद्यान, 25 वन्यजीव अभयारण्य और 9 टाइगर रिजर्व हैं। कान्हा (2.48 लाख), पेंच (1.92 लाख), बांधवगढ़ (1.94 लाख), पन्ना (3.85 लाख) और मढ़ई (4.34 लाख) जैसे प्रमुख वन्यजीव स्थलों पर पर्यटकों का आगमन हुआ। कुनो पालपुर राष्ट्रीय उद्यान में अफ्रीकी चीतों की पुनर्स्थापना परियोजना ने भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ध्यान आकर्षित किया है।

प्राकृतिक पर्यटन प्रकृति की गोद में अविस्मरणीय अनुभवः

मध्यप्रदेश का प्राकृतिक सौंदर्य पर्यटकों के लिए एक अनमोल खजाना है। पचमढ़ी, अमरकंटक, भेड़ाघाट, हनुवंतिया, गांधीसागर, तामिया, सैलानी आइलैंड और सरसी आइलैंड जैसे स्थल प्राकृतिक पर्यटन के प्रमुख केंद्र हैं। वर्ष 2024 में पचमढ़ी में 2.87 लाख पर्यटक और भेड़ाघाट में 2.34 लाख पर्यटक पहुंचे। यहां रिसॉर्ट्स, एडवेंचर, स्पोर्ट्स, ट्रेकिंग ट्रेल्स और कैंपिंग सुविधाओं ने पर्यटकों को नया अनुभव दिया। गांधीसागर डैम, सैलानी आइलैंड, तामिया की पातालकोट घाटी और सरसी आइलैंड में प्राकृतिक सौंदर्य ने पर्यटकों को प्रकृति के और करीब लाया।

ग्रामीण पर्यटन संस्कृति और आतिथ्य का जीवंत अनुभवः

मध्यप्रदेश में ग्रामीण पर्यटन ने स्थानीय संस्कृति और आतिथ्य को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 63 पर्यटन ग्राम विकसित किए गए हैं। प्रदेश में 470 से अधिक होमस्टे का निर्माण किया गया है, जिनसे अब तक 24 हजार से अधिक अतिथि स्थानीय संस्कृति और खानपान का अनुभव ले चुके हैं। पचमढ़ी, कान्हा और अमरकंटक जैसे क्षेत्रों के आसपास के गांवों में होम स्टे सुविधाएं पर्यटकों के लिए अनूठा अनुभव बन गई है। चंदेरी में भारत के पहले हैंडलूम गांव प्राणपुर ने स्थानीय शिल्पकारों को वैश्विक पहचान दिलाई है। आदिवासी समुदायों की कला जैसे गोंड, भील पेंटिंग और मांडना आर्ट पर्यटकों के बीच लोकप्रिय हो रहे हैं।

फिल्म पर्यटन सिनेमाई जादू का नया गंतव्यः

मध्यप्रदेश फिल्म पर्यटन के क्षेत्र में भी एक अलग पहचान बना रहा है। चंदेरी और महेश्वर जैसे स्थल फिल्म निर्माताओं की पहली पसंद बन गए हैं। स्त्री 2 की शूटिंग ने चंदेरी को पर्यटकों के बीच लोकप्रिय बनाया, जहां 47 हजार 630 पर्यटक पहुंचे। महेश्वर में 13.53 लाख पर्यटक आए, जो कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय फिल्मों की शूटिंग का गवाह बना। हाल ही प्रदेश में निर्मित फिल्म होमबाउंड को फिल्म जगत के प्रतिष्ठित कान्स फिल्म फेस्टिवल में दुनिया भर के दिग्गजों की प्रशंसा मिली। नई फिल्म नीति–2025 और पर्यटन सुविधा सेल ने मध्यप्रदेश को फिल्म निर्माताओं के लिए एक आकर्षक गंतव्य बनाया है। प्रदेश में स्त्री, सुई धागा, दबंग 2, पैडमैन, पंचायत (वेब सीरीज) और महारानी जैसे प्रोजेक्ट्स ने प्रदेश की सांस्कृतिक और प्राकृतिक सुंदरता को वैश्विक मंच पर प्रदर्शित किया। खजुराहो, ग्वालियर और मांडू जैसे स्थल भी फिल्म शूटिंग के लिए लोकप्रिय हुए।

शहरी पर्यटन आधुनिकता और संस्कृति का मेल :

भोपाल, इंदौर और जबलपुर जैसे शहर अपनी आधुनिकता, स्वच्छता और सांस्कृतिक समृद्धि के लिए जाने जाते हैं। वर्ष 2024 में इंदौर में 1.02 करोड़, भोपाल में 22 लाख और जबलपुर में 23 लाख पर्यटक पहुंचे। इंदौर ने 7वीं बार स्वच्छ भारत सर्वेक्षण में पहला स्थान हासिल किया है, जो इसे एक स्वच्छ और स्मार्ट पर्यटन गंतव्य बनाता है। मध्यप्रदेश ने वर्ष 2024 में पर्यटन के हर क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति करते हुए देश और दुनिया के मानचित्र पर अपनी अलग पहचान बनाई है। धार्मिक आस्था से लेकर ऐतिहासिक विरासत, वन्यजीव रोमांच से लेकर प्राकृतिक सौंदर्य, ग्रामीण आत्मीयता से लेकर शहरी आधुनिकता और सिनेमाई आकर्षण तक "अतुलनीय मध्यप्रदेश" ने हर पर्यटक को एक नया अनुभव दिया है। प्रदेश में 13.41 करोड़ पर्यटकों का आगमन इस बात का प्रमाण है कि प्रदेश में पर्यटन न केवल तेजी से बढ़ रहा है, बल्कि सतत विकास और समावेशिता के नए प्रतिमान भी स्थापित कर रहा है। राज्य सरकार की प्रतिबद्धता, नीतिगत नवाचार और स्थानीय समुदायों की सक्रिय भागीदारी से मध्यप्रदेश आगामी वर्षों में भी पर्यटन का नया अध्याय रचेगा।

पर्यटन विकास और नई पहलें

मध्य प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं, जिनमें शामिल हैं:–

पीएमश्री हेली पर्यटन सेवा मध्य प्रदेश, पीएमश्री हेली पर्यटन सेवा शुरू करने वाला देश का पहला राज्य बन गया है। इस सेवा का उद्देश्य पर्यटकों को धार्मिक और पर्यटन स्थलों तक आसानी से पहुँचाना है। ग्रामीण पर्यटन राज्य में ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 63 पर्यटन ग्राम विकसित किए गए हैं और 470 से अधिक होमस्टे बनाए गए हैं, जहाँ पर्यटक स्थानीय संस्कृति और खान–पान का अनुभव कर सकते हैं। गोवा के साथ सहयोग मध्य प्रदेश और गोवा ने विरासत, वन्यजीव और सांस्कृतिक अनुभवों को बढ़ावा देने के लिए पर्यटन के क्षेत्र में सहयोग किया है।

प्रमुख विरासत और सांस्कृतिक स्थल

मध्य प्रदेश कई विश्व धरोहर स्थलों और ऐतिहासिक इमारतों का घर है, जो इसकी गौरवशाली विरासत को दर्शाते हैं ।

यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल

- खजुराहो के मंदिर चंदेल शासकों द्वारा बनवाए गए ये मंदिर अपनी अद्भुत वास्तुकला के लिए विश्व प्रसिद्ध हैं।
- सांची का स्तूप यह भारत की समृद्ध बौद्ध विरासत का प्रतीक है और एक महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल है।
- भीमबेटका की गुफाएँ ये गुफाएँ अपने शैल चित्रों और कलाकृतियों के लिए जानी जाती हैं, जो पुरापाषाण युग के हैं।

अन्य प्रमुख सांस्कृतिक और ऐतिहासिक स्थलः

- ग्वालियर यह शहर अपने किले, मान मंदिर, जयविलास महल और तानसेन के मकबरे जैसे दर्शनीय स्थलों के लिए जाना जाता है ।
- मांडू यह शहर जहाज महल जैसे ऐतिहासिक स्थलों के लिए प्रसिद्ध है ।
- इंदौर होल्कर साम्राज्य से संबंधित होने के कारण, यहाँ लालबाग पैलेस, राजवाड़ा और छतरियां जैसी कई ऐतिहासिक इमारतें हैं ।
- ओंकारेश्वर यह भारत के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है, जो इसे एक महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल बनाता है।

मध्य प्रदेश अपनी प्राकृतिक सुंदरता, जिसमें घने जंगल, राष्ट्रीय उद्यान और पहाड़ियाँ शामिल हैं, के लिए भी जाना जाता है। कान्हा और बांधवगढ़ जैसे राष्ट्रीय उद्यान वन्यजीव प्रेमियों के लिए आकर्षण का केंद्र हैं।

निष्कर्ष :

भारत एवं मध्य प्रदेश के पर्यटन विकास, विरासत और सांस्कृतिक संरचनाओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए, कई सरकारी योजनाएं और सांस्कृतिक पहल इस क्षेत्र में निरंतर प्रगति को दर्शाती हैं। भारत सरकार ने 2014–15 से "स्वदेश दर्शन" और "प्रसाद" जैसी योजनाएं शुरू की हैं, जिनके माध्यम से थीमैटिक पर्यटन सर्किट, तीर्थ स्थानों पर सुविधाएं और सतत पर्यटन को बढ़ावा दिया जा रहा है। इस दिशा में 2023 में स्वदेश दर्शन 2.0 भी शुरू किया गया है जिसने पर्यावरण–संवेदनशील पर्यटन को प्राथमिकता दी है। इसी प्रकार, मध्य प्रदेश में हेली पर्यटन सेवा, ग्रामीण पर्यटन और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए कई पहल की गई हैं, जो स्थानीय संस्कृति और आर्थिक विकास को मजबूत करती हैं। इसके अतिरिक्त, भारत में संग्रहालयों का विकास और प्राचीन कलाकृतियों की वापसी ने सांस्कृतिक पुनरुत्थान को बढ़ावा दिया है, जिससे युवाओं में अपनी विरासत के प्रति गर्व जागरुक हो रहा है। राष्ट्रीय स्तर पर कई विश्व धरोहर स्थल जैसे खजुराहो, सांची स्तूप, भीमबेटका की गुफाएं, और मध्य प्रदेश के अन्य ऐतिहासिक स्थल पर्यटन के प्रमुख केंद्र बन चुके हैं। इन प्रयासों का उद्देश्य न केवल सांस्कृतिक संरक्षण है, बल्कि यह स्थानीय संसाधनों का सतत विकास और रोजगार सृजन भी सुनिश्चित करता है। सरकार की सांस्कृतिक और पर्यटन नीतियों में विरासत संरक्षण, समुदाय की भागीदारी, बुनियादी ढांचे का विकास, और डिजिटल माध्यमों के उपयोग द्वारा पर्यटन को अधिक समावेशी व टिकाऊ बनाने का लक्ष्य प्रमुख रूप से उभरता है। इस प्रकार, भारत एवं मध्य प्रदेश में पर्यटन विकास और सांस्कृतिक संरचनाओं का संरक्षण एक समेकित प्रयास है जो आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक प्रगति के साथ जुड़ा हुआ है।

निष्कर्ष (पर्यटन विकास के मुख्य बिंदु)

- ➢ मध्य प्रदेश में पर्यटन क्षेत्र में 2023 में रिकॉर्ड 110 मिलियन से अधिक पर्यटक आए, जो राज्य के आर्थिक और सांस्कृतिक विकास का परिचायक है। प्रमुख धार्मिक स्थल जैसे उज्जैन, ओंकारेश्वर, और मैहर पर्यटकों को आकर्षित करते हैं ।
- ➢ मध्य प्रदेश सरकार ने पर्यटन क्षेत्र को मजबूत करने के लिए 3500 करोड़ रुपये का निवेश घोषित किया है, जिससे बुनियादी ढांचे को मजबूत किया जाएगा और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे ।
- ➢ प्रदेश में हेरिटेज (विरासत) होटलों की योजना लागू की गई है, जिसमें पुराने महल, हवेली और किलों को होटलों में परिवर्तित किया जा रहा है, जैसे छतरपुर का राजगढ़ पैलेस ।
- ➢ राज्य सरकार ने हेली पर्यटन सुविधा, ग्रामीण पर्यटन और सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा दिया है, जिससे स्थानीय संस्कृति के संरक्षण के साथ–साथ आर्थिक विकास भी हुआ है ।
- ➢ पर्यटन विकास गतिविधियों में पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समावेशन, और स्थानीय समुदाय की भागीदारी को भी प्रमुखता दी जा रही है ।

नोट :–

मध्य प्रदेश पर्यटन विकास 20 वर्ष की परिप्रेक्ष्य योजना रिपोर्ट (Twenty Years Perspective Plan) जो राज्य के पर्यटन के लिए रणनीतिक दिशा दर्शाती है ।

- मध्य प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम से संबंधित आधिकारिक प्रकाशन और योजनाएं ।

IJARSCT

International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology

International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal

ISSN: 2581-9429 Volume 5, Issue 3, December 2025 Impact Factor: 7.67

- सरकार की आधिकारिक प्रेस रिलीज और डिजिटल मीडिया रिपोर्ट्स जो पर्यटन क्षेत्र में निवेश, विकास और सांस्कृतिक संरक्षण के बारे में जानकारी देती हैं ।
- भारत में पर्यटन विकास पर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय अध्ययन रिपोर्ट, जैसे विश्व आर्थिक मंच की यात्रा और पर्यटन विकास सूचकांक ।

स्थानीय मीडिया रिपोर्ट और YouTube चौनल्स जैसे MP News और Jansampark MP जो मध्य प्रदेश में पर्यटन से जुड़े नवीनतम आंकड़े और पहल को प्रकाशित करते हैं. कि मध्य प्रदेश और भारत में पर्यटन विकास के समेकित दृष्टिकोण को समझने में मदद करती हैं, साथ ही विरासत और सांस्कृतिक संरचनाओं के संरक्षण के लिए चल रही पहलों को भी दर्शाती हैं। अधिक विस्तृत दस्तावेज और रिपोर्ट सरकारी पर्यटन विभाग की वेबसाइटों से प्राप्त की जा सकती हैं।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. Arora K.K - Tourist Industry in Kumayon, Univ. of Agra unpublished P.H.D Anand M.M- Tourism and Hotel industry in India, Prin well Hall of India pvt.ltd. New Delhi.
2. Batra Gossa- Tourism promotion and Development, New Delhi.
3. Bhatia, A.K. (1978) Tourism in India. History and development Sterling publisher New Delhi.
4. Dasman, R.F. (1968) A different king of country, Macmillan, New Delhi.
5. Green Wood, D.J. (1972) Tourism as an Agent of Change. Ethnology, Vol II, Punia, B.K. (1997) Tourism management Problems and Prospects, Ashish Pub. House, New Delhi.
6. Singh, K. (1973) Regional Structure of Bundle Khand unpublished M. Phil Thesis, J.N.U. New Delhi.
7. Singh, K. (1981) Settlement structure and process of Regional, development. A Case study of Bundel Khand, unpublished Ph. D Thesis J.N.U. New Delhi Singh, Kanchan & Singh S.C.-Khajuraho as nuclear of Tourist Economy in Bundelkhand.
8. A.K Bhatia - Tourism Development Principle & Practices
9. Savindra Singh - Environmental Geography (Prayag Pustak Bhawan Allahabad)
10. Devashish Das Gupta - Tourism Marketing
11. Roy. A. Cook - Tourism the Business of Travel (Pearson publication)
12. John R. Walkar - Tourism Concepts and Practices (Pearson publication)

Copyright to IJARSCT
www.ijarsct.co.in